

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, भदोसर जिला चित्तौडगढ
पीठासीन अधिकारी - सुश्री अंजू शर्मा आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या - 50/2021

दिनांक:- 07.04.2021

अनवान

माथुलाल पिता सवाईलाल जी जाति ब्राह्मण उम्र वयस्क निवासी होडा तहसील भदोसर जिला चित्तौडगढ (राज)

—वादी

बनाम

1. आशा पुत्री गिरीराजसिंह राठौड उम्र वयस्क पंचवटी सेंती तहसील व जिला चित्तौडगढ
2. प्रिया पुत्री गिरीराज सिंह जाति राजपूत उम्र वयस्क पंचवटी सेंती तहसील व जिला चित्तौडगढ
3. सम्पतकुंवर पत्नि गिरीराजसिंह राठौड उम्र वयस्क पंचवटी सेंती तहसील व जिला चित्तौडगढ
4. लीला पत्नी बंशीलाल जी जाति ब्राह्मण उम्र निवासी होडा तहसील भदोसर जिला चित्तौडगढ हाल मुकाम पुत्री नंद किशोर जी ब्राह्मण निवासी ढबटी तहसील व जिला राजसमंद
5. हरिसिंह पिता फोजसिंह जी जाति राजपुत उम्र वयस्क निवासी धरोल तहसील भदोसर जिला चित्तौडगढ
6. श्रीमान् बैंक मेनेजर साहब, भाखा पंजाब नेशनल बैंक शाखा सावा तहसील चित्तौडगढ
7. श्रीमान् तहसीलदार साहब, भदोसर जिला चित्तौडगढ

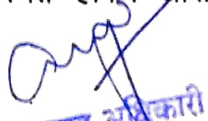
—प्रतिवादीगण—

वाद पत्र—धारा 53,188,209 राज. टिनेन्सी एक्ट

बाबत बंटवाड़ा एवं स्थाई निषेधाज्ञा

कि ओर से वाद पत्र ओर्डर 7 नियम 1,2 जा.दी. निम्न प्रकार से पेश है कि:-

यह कि वादी एवं प्रतिवादीगण के संयुक्त खाते एवं कब्जे काशत की आराजीयात ग्राम होडा पटवार हल्का होडा तहसील भदोसर जिला चित्तौडगढ में स्थित होकर आराजीयात का विवरण निम्न प्रकार से है-


उपखण्ड अधिकारी
भदोसर, जिला-चित्तौडगढ



(अ) खाता संख्या 109 आराजी नं0 616 रकबा 2.1000 हेक्टर, लगानी 29.40 /-रु स्थित है साक्ष्य में नकल जमाबन्दी पेश है। उक्त आराजीयात में वादी का 1/2 हक हिस्सा एवं शेष प्रतिवादी संख्या 1 से 4 का निहीत होकर मुख्य रोड चितौड़गढ़ से उदयपुर वाले रोड से सटमा होकर मौके पर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 1 से 4 संयुक्त रूप से काबिज होकर उपयोग उपभोग कर रहे है लेकिन रेकार्ड में बंटवारा नही हुआ है।

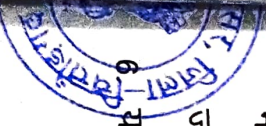
(ब) खता संख्या 217 जिसके आराजी नं. 612 रकबा 0.2400 हैक्टर, आराजी नं. 613 रकबा 0.0800 हैक्टर, आराजी नं. 614 रकबा 0.1500 हैक्टर, कुल रकबा 0.4700 हैक्टर कुल लगानी 4.04/-रु स्थित है साक्ष्य में नकल जमाबन्दी सम्वत् 2076 की पेश है। उक्त आराजीयात में वादी का 1/2 हिस्सा एव शेष प्रतिवादी संख्या 4 व 5 का स्थित होकर वादी एवं प्रतिवादी संख्या 4 व 5 संयुक्त रूप से काबिज होकर उपयोग उपभोग कर रहे है।

3. यह कि उक्त आराजीयात संयुक्त खातेदारी में दर्ज होकर विधिवत पाति बटवाजा नही हुआ है और मौके पर हिस्से के अनुसार काबिज हो कारत कर रहे है लेकिन मौके पर स्थायी सीमा चिन्ह नही होने से आये दिन मेड पाली को लेकर एवं लगान को लेकर विवाद होते रहते है, तथा प्रतिवादीगण हर साल वादी के हिस्से पर कब्जा करने कि दुर्भावना रखते है जिससे पक्षकारान के मध्य बाई मिन्टस एवं बाउंडस पाति बटवाजा अलग कराया जाना न्यायोचित होने से यह दावा पाति बटवाजा हेतु पेश है।

4. यह कि रेकार्डेड नाप चौक करके बंटवारा नही होने के कारण प्रतिवादी संख्या 4 व 5 आराजी नंबर 612, 613, 614 पर बिना किसी आधार के विधि विरुद्ध तरीके से उक्त आराजीयात पर मकान निर्माण का कार्य आरम्भ कर दिया जो वादी जहा पर काबिज है उसमें भी जबरन नीचे खोदकर वादी को अपने कब्जे से मेहरून करने पर आमादा हो गये जिस पर वादी ने काफ़ी समजाईश की फिर भी प्रतिवादी संख्या 4 व 5 द्वारा उक्त आराजी 612, 613, 614 पर जबरन निर्माण काय करने पर आमादा है जिस कारण उक्त बंटवाजा एवं स्थाई निषेधाज्ञा का वाद पेश करना आवश्यक हुआ है और वादी द्वारा प्रतिवादीगण को बंटवाजा हेतु कहा लेकिन प्रतिवादीगण जानबुझकर टालमटुल करते रहते है इसलिए यह बटवाजा एवं स्थाई निषेधाज्ञा का वाद पे 1 करना आव यक हुआ है।

5. यह कि वादी द्वारा प्रतिवादीगण को दिनांक 15.02.2021 को बटवाजा कराने हेतु कहा मगर प्रतिवादीगण ने बंटवारे करने से टालमटोल करने से वादकारण पैदा होकर निरंतर जारी होने से वाद अन्दर अवधि पेश है।

6. यह कि बंशीलाल की मृत्यु हो जाने से उसकी पत्नी लीलाबाई को पक्षकार बनाया है।



उपखण्ड अधिकारी
भद्रेस, जिला-चितौड़गढ़

1/2 हक हिस्से का खातेदार होकर अपना हक हिस्सा अलग करवा बंटवाडा करवाना चाहता है। जिसमें प्रतिवादी सं01 से 4 बावजूद सुचना अनुपस्थित रहने से यह माना जायेगा कि उन्हें भी कोई आपत्ति नहीं है। प्रतिवादी सं0 5 ने इकबालिया जवाब प्रस्तुत किया जिसने बंटवाडा करने की सहमति देते हुए कब्जे को मध्यनजर रखने का निवेदन किया जिसमें वादी को भी कोई आपत्ति नहीं है। अतः पत्रावली के सम्पूर्ण अवलोकन करने से वादी का वाद स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया जाता है। ग्राम होडा प0ह0 होडा की आराजी नं0 616 में वादी का 1/2 एवं शेष प्रतिवादी सं0 1 से 4 का संयुक्त रखा जावे एवं आराजी नं0 612,613,614 में वादी का 1/2 हक हिस्सा शेष प्रतिवादी सं0 4 व 5 का संयुक्त रूप से फर्द बंटवारा मौके पर कब्जे को ध्यान में रखते हुए फर्द बंटवारा किये जाने हेतु आदेश पारित किया जाता है। तहसीलदार भदसेर को 1000/- अक्षरे एक हजार रुपये फीस पर कमीशनर नियुक्त किया जाकर आदेशित किया जाता है कि उक्तानुसार विभाजन प्रस्ताव लगान फाटनी कर कर मय नक्शा ट्रेस उभय पक्ष की मौजूदगी में तैयार कराया जाकर एक माह में प्रस्तुत करें। विभाजन में संबंधीत काश्तकार को अपनी जोत पर पहुंच मार्ग की व्यवस्था सुरक्षित की जावे। प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि उक्त आराजीयात हक हिस्से अनुसार वादी के खातेदारी में दर्ज होने तक आराजी के किसी भी भू भाग को रहन बय बक्षीस अथवा अन्तरण नहीं करें न करावें एवं कब्जे काश्त में किसी प्रकार की दखलंदाजी न स्वयं करे न करावें। इसी आशय का पर्चा डिक्री एवं हुक्मनामा अलग से जारी हो।

निर्णय खुले न्यायालय में टंकित कराया जाकर सुनाया गया।



(आजु शर्मा)
समर्थक अधिकारी
भदसेर, मिर्जापुर